

स्टार्ट-अप्स पर फंडिंग वटिर प्रभाव

प्रलिस के लयि:

फंडिंग वटिर, [स्टार्ट-अप इंडिया योजना](#), [प्रधानमंत्री मुद्रा योजना](#), [स्टार्टअप इंडिया एक्शन प्लान](#)

मेन्स के लयि:

भारतीय स्टार्टअप पारसिथितिकी तंत्र, स्टार्टअप्स के लयि सरकार की पहल

[स्रोत: द हट्टि](#)

चरचा में क्यो?

बंगलुरु, जसि अकसर भारत की सलिकॉन वैली कहा जाता है, को वैश्विक घटनाओं के कारण वतितपोषण की कमी के फलस्वरूप [स्टार्ट-अप पारसिथितिकी तंत्र](#) में संकट का सामना करना पड़ा है। [फंडिंग वटिर](#) के बाद कई क्षेत्रीय स्टार्ट-अप को छँटनी से लेकर सतरक नविशक भावना के अभाव से जूझना पड़ा है।

फंडिंग वटिर क्या है?

परचिय:

- 'फंडिंग वटिर' एक शब्द है जसिका उपयोग [स्टार्टअप्स के लयि कम पूंजी प्रवाह की अवधा का वर्णन](#) करने के लयि कयिा जाता है।
- फंडिंग वटिर के दौरान नविशक और ऋणदाता वतित्तीय सहायता प्रदान करने में [अधकि \(cautious\) तथा \(selective\)](#) हो जाते हैं, जसिसे बाज़ार में उपलब्ध कुल वतितपोषण में कमी आती है।
- फंडिंग वटिर [व्यवसायों और उद्यमयिों को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावति](#) कर सकती है, वशिष रूप से उन लोगों पर जो विकास के शुरुआती चरण में हैं या जो अपने परचालन का वसितार करना चाहते हैं।

भारत में फंडिंग वटिर के कारण:

भारतीय स्टार्ट-अप फंडिंग में उतार-चढ़ाव:

- वर्ष 2021 में भारतीय स्टार्ट-अप फंडिंग बढ़कर [रकिॉर्ड 42 बलियिन अमेरकी डॉलर](#) हो गई, जसिसे देशभर में [42 नए यूनिकॉर्न](#) बने। हालाँकि वर्ष [2022 में फंडिंग में 40% की गरिावट](#) देखी गई, जो महामारी से प्रेरति आशावाद में बदलाव का प्रतीक है।
- प्रारंभिक वृद्धि को [कोवडि-19 महामारी](#) के दौरान डजिटल उद्यमों में बड़े पैमाने पर हुए नविश से बढ़ावा मला।
- ऐसी धारणा थी कि [डजिटल प्रवृत्ति](#) उसी गति से जारी रहेगी, लेकिन जैसे ही वशि्व की पारसिथितियिँ सामान्य हुई, नविश का पुनर्मूल्यांकन हुआ।
- ऑकड़ों के अनुसार, भारत में तकनीकी कंपनयिों को वर्ष 2023 में [8.3 बलियिन अमेरकी डॉलर की फंडिंग मली](#), जो वर्ष 2022 से [67% कम](#) है।

वैश्विक व्यापक आर्थिक कारण:

- [रुस-युकरेन](#) और [इजराइल-फलिसितीन संघर्ष](#) सहति वैश्विक घटनाओं ने फंडिंग वटिर को शुरु करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिाई।
- [वैश्विक आपूर्ति शंखला](#) और व्यापार दृष्टिकोण में परणामी अनशिचतिता ने स्टार्ट-अप के लयि नरिशाजनक नविश पारदृश्य में योगदान दयिा।
- [वैश्विक अरथवयवस्थाओं में सामान्य मंदी](#) का नविशकों के वशिवास और पूंजी प्रवाह पर व्यापक प्रभाव पड़ा।

नविश प्रतफिल (Return on Investments) पर फोकस :

- नविशकों ने स्टार्ट-अप की दीर्घकालिक व्यवहार्यता और लाभप्रदता पर सवाल उठाना शुरु कर दयिा, जसिसे बाज़ार में गरिावट आई।
- नविशकों को [यूनिकॉर्न और उत्तरवर्ती-चरण के स्टार्ट-अप](#) पर कम भरोसा है जो लाभप्रदता से ऊपर विकास को प्राथमकिता देते हैं।
- नविशकों की रुचि और गतिविधि ने वविकशीलता एवं राजस्व मॉडल पर ध्यान केंद्रति करते हुए [आरंभिक चरण के स्टार्ट-अप](#) की ओर रुख कयिा है।
- [वतिय और अधगिरहण](#) की अनुपस्थति, सूचीबद्ध स्टार्ट-अप के खराब प्रदर्शन के साथ, नविशकों को व्यवहार्य नकिस वकिल्पों के

बना छोड़ दिया गया।

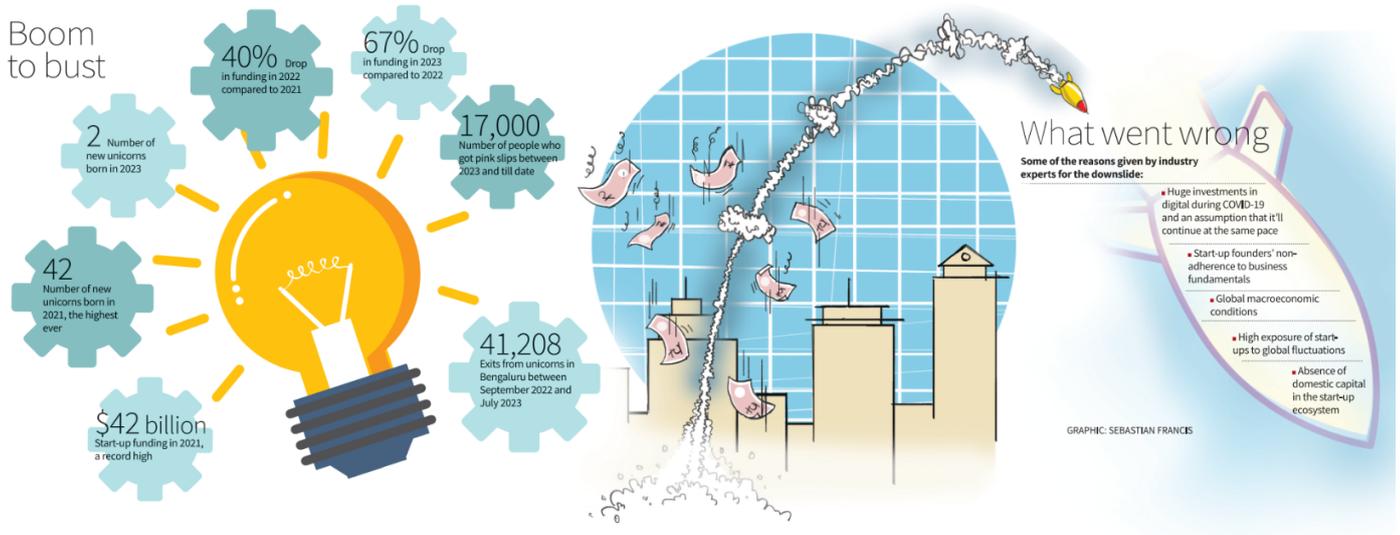
- निकास के विकल्पों की कमी ने नविशकों और अंतिम चरण के स्टार्ट-अप दोनों के लिये एक चुनौतीपूर्ण वातावरण तैयार करने में योगदान दिया।

■ घरेलू पूंजी का अभाव:

- भारतीय स्टार्ट-अप इकोसिस्टम में घरेलू पूंजी की कमी से वित्तपोषण संकट और प्रभावित हुआ है।
- घरेलू पेंशन नधि के तहत प्रौद्योगिकी, उद्यम और स्टार्ट-अप में नविश नहीं किया जा रहा है जिससे मौजूदा अवसर व्यर्थ हो रहे हैं।
- केंद्रीय वित्त मंत्रालय तथा नियामक प्रणाली स्टार्ट-अप के कर संबंधी मुद्दों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं।
 - भारतीय रजिस्टर बैंक के नवीनतम नियम बैंकों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (Non-Banking Financial Company- NBFC) को वैकल्पिक नविश कोष (Alternate Investment Funds- AIF) में नविश करने से प्रतिबंधित करते हैं, जिसे सत्तावादी के रूप में देखा जाता है।

■ व्यष्ट तथा समष्ट अर्थशास्त्र संबंधी चुनौतियाँ:

- समष्ट (Macro) अर्थशास्त्र स्थितियों तथा कुछ स्टार्ट-अप संस्थापकों की मूल व्यावसायिक सिद्धांतों का अनुपालन करने में वफिलता ने वित्तपोषण को प्रभावित किया।
- यह संकट मात्र बाह्य कारकों का परिणाम नहीं था अपितु स्टार्ट-अप पारस्थितिकी तंत्र के भीतर आंतरिक नरिण्यों एवं रणनीतियों का भी परिणाम था।



//

स्टार्ट-अप तथा कर्मचारियों से संबंधित क्या प्रभाव है?

■ बड़े पैमाने पर छूटनी:

- फंडिंग वटिर के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर छूटनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय layoffs.fyi (यह टेक स्टार्टअप में हुई छूटनी ट्रैक करता है) के आँकड़ों के अनुसार, तकनीकी कंपनियों ने वर्ष 2023 से जनवरी 2024 तक भारत में लगभग 17,000 कर्मचारियों की छूटनी की।

■ साइलेंट लेऑफ:

- कंपनियों प्रत्यक्ष छूटनी के बजाय कर्मचारी के कार्य को कम रेटिंग देकर तथा उन्हें नौकरी छोड़ने के लिये प्रेरित कर 'साइलेंट लेऑफ' का सहारा लेती हैं।

■ पलायन दर:

- सितंबर 2022 तथा जुलाई 2023 के बीच 111 भारतीय यूनिकॉर्न ने 4.72% की एट्रेशन/पलायन दर (जिस दर पर कर्मचारी कोई संगठन छोड़ते हैं) का अनुभव किया जिसमें अकेले बंगलुरु में 41,208 कर्मचारियों ने अपनी कंपनियों छोड़ दी।

भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम:

- 3 अक्टूबर, 2023 तक देश के 763 ज़िलों में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (Department for Promotion of Industry and Internal Trade- DPIIT) द्वारा मान्यता प्राप्त 1 लाख से अधिक स्टार्टअप के साथ भारत ने वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप के लिये तीसरे सबसे बड़े इकोसिस्टम के रूप में अपनी स्थिति को सशक्त किया।

- भारत मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं के बीच वैज्ञानिक प्रकाशनों की गुणवत्ता तथा अपने विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता में शीर्ष स्थान के साथ नवाचार गुणवत्ता में दूसरे स्थान पर है।
 - भारत में नवाचार केवल कुछ क्षेत्रों तक ही सीमिति नहीं है। इसका वसितार 56 विविध औद्योगिक क्षेत्रों में है जिसमें 13% IT सेवाओं, 9% स्वास्थ्य सेवा एवं जीवन विज्ञान, 7% शिक्षा, 5% कृषि और 5% खाद्य व पेय पदार्थ शामिल हैं।
- भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में वगित कुछ वर्षों (2015-2022) में तेज़ी से वृद्धि देखी गई है:
 - स्टार्टअप के कुल वतितपोषण में 15 गुना की वृद्धि
 - नविशकों की संख्या में 9 गुना की वृद्धि
 - इनक्यूबेटरों की संख्या में 7 गुना की वृद्धि
- अक्टूबर 2023 तक, भारत में 111 यूनिर्न मौजूद हैं जिनका कुल मूल्यांकन 349.67 बलियन अमेरिकी डॉलर है। यूनिर्न की कुल संख्या में से, 102.30 बलियन अमेरिकी डॉलर के कुल मूल्यांकन वाली 45 यूनिर्न की स्थापना वर्ष 2021 में हुई तथा 29.20 बलियन अमेरिकी डॉलर के कुल मूल्यांकन के साथ 22 यूनिर्न की स्थापना वर्ष 2022 में हुई।
 - वर्ष 2023 में नवीनतम तथा एकमात्र यूनिर्न के रूप में ज़ेप्टो का उदय हुआ।

स्टार्टअप के लिये भारत सरकार की क्या पहल हैं?

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना
- स्टैड-अप इंडिया योजना
- अटल न्यू इंडिया चैलेंज 2.0
- नवाचारों के विकास और उपयोग के लिये राष्ट्रीय पहल (NIDHI)
- स्टार्टअप इंडिया एक्शन प्लान (SIAP)
- स्टार्टअप इकोसिस्टम को समर्थन पर राज्यों की रैकगि (RSSSE)

आगे की राह

- पूरे पारस्थितिकी तंत्र को व्यवसाय के बुनियादी सदिधांतों को प्राथमिकता देनी चाहिये, सही अनुपात और संतुलन बनाए रखना चाहिये तथा भविष्य के चक्रों की योजना बनानी चाहिये।
- नरितर विकास सुनिश्चित करने के लिये स्टार्ट-अप हेतु संपारश्वकि-मुक्त ऋण सहित वतितपोषण में संरचनात्मक स्तर के सुधारों की आवश्यकता है।
- कर्नाटक के ELEVATE कार्यक्रम की तरह नरितर सरकारी समर्थन, स्टार्ट-अप वफिलताओं को रोकने और एक लचीले पारस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
 - कर्नाटक का ELEVATE कार्यक्रम शुरुआती चरण के स्टार्ट-अप को ₹50 लाख तक का एकमुश्त अनुदान देता है। तरजीही बाज़ार पहुँच के तहत, सरकार का लक्ष्य स्टार्ट-अप से सार्वजनिक खरीद को बढ़ावा देना है।
 - सरकार को विशेष रूप से पेंशन फंड से घरेलू नविश को प्रोत्साहित करने के लिये नीतियाँ लागू करनी चाहिये।
- स्टार्ट-अप को मतिव्ययति, दक्षता और जैवकि व्यावसायिक नेतृत्व को अपनाकर बाज़ार की गतशीलता के अनुरूप ढलने की आवश्यकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. उद्यम पूंजी से क्या तात्पर्य है? (2014)

- उद्योगों को उपलब्ध कराई गई अल्पकालीन पूंजी
- नए उद्यमियों को उपलब्ध कराई गई दीर्घकालीन प्रारंभिक पूंजी
- उद्योगों को हानि उठाते समय उपलब्ध कराई गई नधियाँ
- उद्योगों के प्रतस्थापन एवं नवीकरण के लिये उपलब्ध कराई गई नधियाँ

उत्तर: (b)

प्रश्न 2. स्मार्ट इंडिया हैकथॉन, 2017 के संबंध में नमिनलखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

- यह एक दशक में हमारे देश के प्रत्येक शहर को स्मार्ट सटि के रूप में विकसित करने के लिये केंद्र-प्रायोजित योजना है।
- यह हमारे देश के समक्ष आने वाली कई समस्याओं को हल करने के लिये नई डिजिटल प्रौद्योगिकी नवाचारों की पहचान करने की एक पहल है।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक दशक में हमारे देश में सभी वित्तीय लेनदेन को पूरी तरह से डिजिटल बनाना है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 3
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न 1: हाल के समय में भारत में आर्थिक संवृद्धि की प्रकृति का वर्णन अक्सर नौकरीहीन संवृद्धि के तौर पर किया जाता है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं? अपने उत्तर के समर्थन में तर्क प्रस्तुत कीजिये। (2015)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/funding-winter-impact-on-start-ups>

